AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विश्वविद्यालयों में दीक्षांत की तैयारियां शुरू

लविवि ने मांगे चांसलर, कुलपति गोल्ड मेडल के 11 तक आवेदन, पुनर्वास विवि ने प्रस्तावित मेडल सूची जारी की, 10 तक मांगी आपत्तियां

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राजधानी के विश्वविद्यालयों में सत्र 2020-21 के दीक्षांत समारोह की कवायद तेज हो गई है। राजभवन के निर्देश के बाद कई विश्वविद्यालयों ने जहां मेडल सूची जारी कर आपत्तियां मांगी हैं, वहीं कुछ अन्य जल्द ही इसे जारी करेंगे। जानकारी के अनुसार मेडल सूची व अतिथि तय होने के बाद इस बार विश्वविद्यालयों को दीक्षांत समारोह आयोजन की तिथि जारी की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने चांसलर व कुलपति गोल्ड मेडल के लिए 11 नवंबर तक विद्यार्थियों से आवेदन मांगे हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना की ओर से जारी सूचना के अनुसार चांसलर

आवेदन के बाद इंटरव्यू के आधार पर तय होंगे मेडल धारक

गोल्ड मेडल के लिए आखिरी परीक्षा में कम से कम 50 फीसदी नंबर लाने वाले, स्नातक स्तर पर एनसीसी कैडेट रहा हो, आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद इंटरव्यू के आधार पर अंतिम रूप से विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

इसी क्रम में वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए बेस्ट एनसीसी कैडेट का चयन होगा। अभ्यर्थियों के आवेदन के बाद कुलपति की अध्यक्षता वाली कमेटी अभ्यर्थी का इंटरव्यू करके बेस्ट एनसीसी कैडेट का चयन करेगी। इसके लिए भी आवेदन 11 नवंबर तक होगा। चक्रवर्ती गोल्ड मेडल बेहतर सामाजिक कार्य करने वाले विद्यार्थी को दिया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. सक्सेना ने बताया कि सभी डीन, छात्रावासों प्रोवोस्ट-वार्डन, प्रॉक्टर, चेयरमैन एथलेटिक्स, प्राचार्य सहयुक्त कॉलेजों को ऐसे विद्यार्थियों को नॉमिनेट करने को कहा गया है। अभ्यर्थी डॉक्यूमेंट के साथ 11 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसके बारे में विस्तृत जानकारी विवि की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

लविवि : डीलिट-पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया 15 के बाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र 2021-22 में लगभग 12 साल बाद डीलिट की प्रवेश प्रक्रिया फिर से शुरू होगी। इसके साथ नए सत्र के लिए पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया भी 15 नवंबर के बाद शुरू करने की कवायद तेज हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन वर्तमान में चल रही यूजी-पीजी प्रवेश प्रक्रिया को 15 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके बाद उक्त कोर्सों के लिए प्रवेश के आवेदन शुरू हो सकते हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई प्रवेश समिति में इस पर सैद्धांतिक सहमति बनी है, जिस पर प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को कवायद करने को कहा गया है।

15 तक बिना विलंब शुल्क करें आवेदन : लविवि प्रशासन ने फीस न जमा करने वाले विषम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को राहत दी है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह के अनुसार ऐसे छात्र पिछले सत्र का शुल्क ऑनलाइन 15 नवंबर तक जमा करा सकते हैं।

NBT PAGE 6

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

निविदा सूचना

निर्माण विभाग में पंजीकृत प्रतिष्ठानों को सूचित किया जाता है कि मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के विभिन्न कार्यों (सिविल एवं विद्युत) हेतु निविदायें/ई-निविदायें आमंत्रित हैं। निविदाओं का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in और etender.up.nic.in पर 03.11.2021 से उपलब्ध है। इच्छुक निविदादाता निविदा में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

कार्य अधीक्षक

HINDUSTAN PAGE 11

एलयू छात्रों के स्टार्टअप को दो लाख डॉलर की फंडिंग

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र मारूत नन्दन त्रिपाठी और उनकी टीम (अखिल प्रताप सिंह और कृष्ण चंद्र वर्मा) को उनके स्टार्टअप ट्रेवजो के लिए जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी से दो लाख डॉलर की फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप में मिली है।

मारुत त्रिपाठी ने बताया कि यात्री व अन्य पर्यटक अक्सर स्थानीय दुकानदारों, चालकों और गाइड आदि के षड्यंत्र का शिकार हो जाते हैं। कई बार वे सस्ते, नकली व निम्न गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए सामन्य से कहीं अधिक कीमत अदा करते हैं। वर्ष 2019 में अपने पिता के साथ चेन्नई यात्रा के दौरान हमने इस तरह की कई समस्याओं का सामना किया। इसके बाद ट्रेवजो स्टार्टअप का विचार आया। जिसमें कोई भी पर्यटक हो, उसे सहूलियत प्रदान की जाएगी।

वह बताते हैं कि हम लोकल वेंडर से कान्टेक्ट कर रहे हैं जिससे पर्यटक को असली सामान उचित दाम पर मिले। जिसमें भाषा की बाध्यता भी नहीं होगी। एकअध्ययन में 39 % पर्यटकों ने धोखाधड़ी, 21 प्रतिशत ने चोरी व लगभग 17% ने धमकी और जबरदस्ती की बात स्वीकारी है।

THE PIONEER PAGE 3

LU student gets $2L for start-up

PNS ■ LUCKNOW

Marut Tripathi, a student of Lucknow University (Engineering Faculty) and his team (Akhil Pratap Singh and Krishan Chandra Verma) have received $2 lakh in technical credit funding from Xartup Investment Company for their start-up, 'Travjo'.

Marut from Gorakhpur is currently pursuing BTech from LU. He dedicated his achievement to his father Atul Kumar Tripathi and mother Aradhana Tripathi. "Travellers and other tourists often fall prey to the conspiracy of local shopkeepers, drivers, guides etc. Sometimes they pay much higher than the normal price for cheap, counterfeit and low-quality products. During our trip to Chennai with my father in the year 2019, we faced many such problems when local shopkeepers cheated us. Also, language problem came up during communication with the cab drivers and we were stuck at an unknown place. Later, I researched and found out that I was not the only one out there facing these problems and there were millions of others," he said.

"I then decided to find a solution to these problems and worked systematically. 'Travjo' came up as a result. A recent study conducted by the Ministry of Tourism reveals that it is common for Indian and foreign tourists to face problems like cheating, theft, coercion and sexual harassment during their visits to different cities of the country. About 39% of tourists admitted to being cheated, 21 percent of theft and about 17% of tourists admitted to being threatened and coerced," he pointed out

Marut said that travellers and tourists can easily locate popular and verified restaurants, authenticated nearest vendors with the help of 'Travjo' mobile app.

"This app will provide you any products and services at their actual market price and of excellent quality. With the help of guides available through the app, you can easily get in touch with local people and vendors. The objective of the app is to make it convenient and authentic for travellers and tourists for their works, essential services and every need from a business point of view so that they can easily do their work with confidence. Also, through this app, one can also pay the price of services and products in a secure way. You can also book emergency facilities like doctor's services or guides with the help of the app," Marut said.

He said a lot of money was needed to develop this platform. For that, the team prepared the complete pitch deck, business plan of the start-up. He contacted 5-6 investors and finally after several rounds of question-answer sessions and interviews, he raised $2 lakh.

"With the help of this fund, we are now preparing the minimum viable product of our start-up. 'Travjo' will be launched the Play Store soon. At the same time, our start-up is also certified by Start-Up India and Start-Up UP," he added.

i-NEXT PAGE 4

एलयू स्टूडेंट्स को स्टार्टअप गोल्ड मेडल के लिए 11 तक मांगे आवेदन के लिए मिले दो लाख डॉलर

फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप में मिली

LUCKNOW (2 Nov): एलयू के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के स्टूडेंट मारूत नन्दन त्रिपाठी और उनकी टीम अखिल प्रताप सिंह, कृष्ण चंद्र वर्मा को उनके स्टार्टअप ट्रेवजो के लिए जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी से दो लाख डॉलर की फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप में मिली है. मारुत त्रिपाठी ने बताया कि यात्री व अन्य पर्यटक अक्सर स्थानीय दुकानदार, चालक और गाइड के षड्यंत्र का शिकार हो जाते हैं. कई बार वे सस्ते, नकली व निम्न गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए सामान्य से कहीं अधिक कीमत यात्रा के दौरान हमने इस तरह की कई अदा करते हैं. उन्होंने बताया कि वर्ष समस्याओं का सामना किया. इसके 2019 में अपने पिता के साथ चेन्नई बाद ट्रेवजो स्टार्टअप का विचार आया.

घोखाधड़ी आमबात

मारूत ने बताया कि स्टार्टअप के जरिये कोई भी पर्यटक हो, उसे सहूलियत प्रदान की जाएगी. हम लोकल वेंडर से कांटेक्ट कर रहे हैं, जिससे पर्यटक को असली सामान उचित दाम पर मिले, जिसमें भाषा की बाध्यता भी नही होगी. मारूत के मुताबिक पर्यटन मंत्रालय द्वारा कराए गए हाल ही के अध्ययन से पता चलता है कि भारतीय व विदेशी पर्यटकों द्वारा देश के विभिन्न शहरों में यात्राओं के दौरान धोखाधड़ी, चोरी, जबरदस्ती व यौन उत्पीड़न जैसी समस्याओं का सामना करना आम बात है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने शुरू की दीक्षांत समारोह की तैयारी

LUCKNOW (2 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने दीक्षांत समारोह की तैयारी शुरू कर दी है. इस समारोह को नवम्बर में आखिरी तक सम्पन्न कराने की यूनिवर्सिटी प्रशासन की योजना है. इसके मद्देनजर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने चांसलर मेडल सहित कई महत्वपूर्ण मेडल के लिए स्टूडेंट्स से आवेदन मांगे हैं. आगामी विधान सभा चुनाव को देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अपना दीक्षांत समारोह नवम्बर माह में कराने की योजना बनाई है. इसके तहत यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मेडल सूची तैयार करने का काम शुरू कर दिया है. यूनिवर्सिटी ने दीक्षांत समारोह के महत्वपूर्ण मेडल चांसलर गोल्ड मेडल, डॉ. चक्रवार्ती गोल्ड मेडल और बेस्ट एनसीसी कैडेट्स को दिए जाने वाला एनसीसी गोल्ड मेडल के लिए आवेदन आमंत्रित किया है.

स्टूडेंट्स को करना होगा आवेदन

स्टूडेंट्स अपना आवेदन 11 नवम्बर तक भेज सकते हैं. आवेदन के बाद इनकी स्क्रुटनी की जाएगी और फिर प्रत्येक मेडल के लिए गठित समिति मेधावी स्टूडेंट्स का चयन करेगी. इसके तहत स्टूडेंट्स का इंटरव्यू भी लिया जाता है. यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद सिंह ने बताया कि दीवाली बाद दीक्षांत के लिए आवश्यक समितियों का गठन कर दिया जाएगा. इसके साथ ही दीक्षांत समारोह के लिए मुख्य अतिथि का नाम तय किया जाएगा. और यह भी तय किया जाएगा कि किसको मानद उपाधि दी जाए.

एलयू प्रशासन ने चांसलर मेडल सहित कई महत्वपूर्ण मेडल के लिए स्टूडेंट्स से आवेदन मांगे हैं.

PIONEER PAGE 3

एलयू इंजीनियरिंग संकाय के छात्र मारुत त्रिपाठी को मिली दो लाख डॉलर की फंडिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र मारुत त्रिपाठी और उनकी टीम अखिल प्रताप सिंह और कृष्ण चंद्र वर्मा को उनके स्टार्टअप ट्रेवजों के लिए जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी से 2 लाख डॉलर की फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप मे मिली है।

क्रेडिट की फंडिंग पाने वाले स्टूडेंट मारुत त्रिपाठी के अनुसार यात्री व अन्य पर्यटक अक्सर स्थानीय दुकानदारों, चालकों और गाइड आदि के षड्यंत्र का शिकार हो जाते हैं। कई बार वे सस्ते, नकली व निम्न गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए सामन्य से कहीं अधिक कीमत अदा करते हैं। वर्ष 2019 में अपने पिता के साथ चेन्नई यात्रा के दौरान हमने इस तरह की कई समस्याओं का सामना किया जब स्थानीय दुकानदारों ने हमारे साथ धोखा किया। साथ ही कैब चालकों के साथ संवाद के दौरान भी भाषा की समस्या सामने आई और हम एक अनजान जगह पर फंस गए और असहाय थे। इसके बाद में मैंने शोध किया और पता लगाया कि वहां पर मैं ही अकेला ऐसा नहीं था जो इन समस्याओं से जूझ रहा था। ऐसे लाखों और लोग भी थे जो इस जाल में फंसे थे और असहाय महसूस कर रहे थे। इसके बाद इन समस्याओं का हल ढूँढने का फैसला कर मैंने योजनाबद्ध तरीके से काम किया। उसी सोच का परिणाम है मेरा ये स्टार्टअप ट्रैवजो। ट्रैवजो ऐप की सहायता से यात्री व पर्यटक बड़ी आसानी से लोकप्रिय व सत्यापित रेस्टोरेंट, प्रमाणीकृत निकटतम विक्रेताओं का पता लगा सकते हैं। यह ऐप आपको किसी भी उत्पाद और सेवाओं को उनकी वास्तविक बाज़ार कीमत और उत्कृष्ट गुणवत्ता व निर्धारित मानक स्तर के अनुरूप उपलब्ध करवाएगा।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

स्टार्टअप ट्रेवजो को मिले दो लाख डालर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र मारूत नन्दन त्रिपाठी और उनकी टीम (अखिल प्रताप सिंह और कृष्ण चंद्र वर्मा) को उनके स्टार्टअप ट्रेवजो के लिए जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी से दो लाख डॉलर की फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप में मिली है। मास्त त्रिपाठी ने वताया कि यात्री व अन्य पर्यटक अक्सर स्थानीय दुकानदारों, चालकों और गाइड आदि के षड्यंत्र का शिकार हो जाते हैं। कई वार वे सस्ते, नकली व निम्न गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए सामन्य से कहीं अधिक कीमत अदा करते हैं। वर्ष 2019 में अपने पिता के साथ चेन्नई यात्रा के दौरान हमने इस तरह की कई समस्याओं का सामना किया। इसके वाद ट्रेवजो स्टार्टअप का विचार आया, जिसमें कोई भी पर्यटक हो, उसे सहूलियत प्रदान की जाएगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विषम के छात्र 15 नवंबर तक जमा करें फीस

सत्र 2021—22 के विषम सेमेस्टर के छात्रों को अपनी फीस 15 नवंबर तक आनलाइन जमा करनी होगी। इस संबंध में कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना के चलते बहुत से छात्र अपनी फीस नहीं जमा कर पाये थे, ऐसे में उनकों 15 नवंबर तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है। उन्होंने बताया कि फीस आनलाइन मोड में ही जमा करनी होगी। उन्होंने बताया कि बीएससी पाठ्यक्रम के छात्र व जीव विज्ञान समूह, बीएससी, गणित और बीए जिन्होंने चौथे सेमेस्टर में पदोन्नत किया है वह भी फीस जमा करें। इसके साथ ही सेमेस्टर पांचवें और छठवें वाले छात्र विषय विकल्प का चयन करना चाहते हैं तो उन्हों पोर्टल पर आनलाइन विकल्प भरना होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कैम्पस में बैठे छात्र-छात्राएं। फोटो : अमृत विचार

प्रमुख मेडल के लिए मांगे छात्रों के नाम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने वाइस चांसलर गोल्ड मेडल इन बेस्ट एनसीसी कैडेट, चांसलर गोल्ड मेल और चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए सभी विभागों से प्रस्ताव मांग लिए हैं। ये सभी मेडल दीक्षांत समारोह में दिए जाते हैं। जिसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय के सभी विभागों को पत्र भेजकर छात्र-छात्राओं के नाम मांगे हैं। विभागों को 11 नवम्बर तक मेडल के लिए छात्र-छात्राओं का नामित कर प्रस्ताव भेजना है। लखनऊ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 25 नवंबर को होता है।

FIRST INDIA PAGE 3

LU student's novel start-up to help tourists gets $2 lakh seed funding

First India Bureau

Lucknow: In the modern-day world, ideas sell like hotcakes. One such idea germinated by a Lucknow boy has caught the eyes of investors who are now backing him big time.

Marut Nandan Tripathi, 22, final year B Tech student from Lucknow University, has struck a fortune with his idea with investors backing him up with $2 lakh investment.

Tripathi's idea of saving tourists from the everyday discomfort by providing them genuine products and guides, impressed the investors.

Tripathi, along with team members Akhil Pratap Singh and Krishan Chandra Verma received $2 lakh in technical credit funding from Xartup Investment Company for their start-up 'Travjo'.

Marut Nandan Tripathi

PROBS GALORE

A recent study by MInIstry of TourIsm found it common for tourists to face problems during their visits to different cities of the country. About 39 per cent tourists admitted to being cheated and 21 per cent reported theft.

"Travellers and other tourists often fall prey to the conspiracy of local shopkeepers, drivers and guides etc. Sometimes they pay much higher than the normal price for cheap, counterfeit and low-quality products. During our trip to Chennai with my father in 2019, we faced many such problems when local shopkeepers cheated us. Also, the language problem came up during communication with cab drivers and we were stuck at an unknown place," said Marut while speaking with First India.

"Later, I researched and found out that I was not the only one out there who was facing these problems. There were millions of more people who were trapped in this trap and felt helpless. After that, I decided to find a solution to these problems and worked systematically. The result of that thinking is my startup "Travjo"," he added.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिला फीस जमा करने का एक और अवसर

स्वतंत्र भारत,संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय ने सत्र 2021-22 के विषम सेमेस्टर के वे विद्यार्थी जिन्होंने कोविड 19 महामारी के कारण से अब तक अपनी फीस नहीं जमा कर पाए, उनको फीस जमा करने का एक और अवसर दिया है। विश्विद्यालय के विभिन्न छात्र- छात्राओं के अनुरोध करने पर कुलपति अलोक राय ने यह फैसला लिया है। फीस जमा करने के लिए खातक के विद्यार्थियों को सम्बंधित संकाय के अधिष्ठाता कार्यालय , परास्नातक के विद्यार्थियों को सम्बंधित विभागाध्यथ के कार्यालय और संस्थानों से संचालित पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को सम्बंधित संस्थान के निदेशक कार्यालय से संपर्क कर उनसे पूर्व की भाति ऑनलाइन अनुमति प्राप्त कर 15 नवंबर तक बिना विलम्ब शुल्क के फीस जमा करनी। फीस जमा करने के लिए विद्यार्थियों को यूआरसी पोर्टल पर लॉगिन कर ऑनलाइन विधि से भुगतान करना होगा। बीएससी पाठ्यक्रम के विद्यार्थी (जीव विज्ञान एवं गणित समूह) और बीए के वे विद्यार्थी जिन्हे चौथे सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया है और वे पांचवे और छठे सेमेस्टर के लिए विषय विकल्प चयन करना चाहते हैं वे विद्यार्थी आईडी का प्रयोग करके अपने यूडीआरसी पोर्टल पर लॉगिन कर दिशा निर्देश प्राप्त कर सकते है।